

# Hindi Murli Quiz 19-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है। मुरली सुनने के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें। पुरानी क्विज के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें।

**Q.1) वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही चयन करें -----**

	Choice		Match
A	हम असुल मूलवतन के रहवासी हैं।	1	अब फिर परिस्तान बनना है।
B	अगर कुदृष्टि जाती है,	2	भक्ति मार्ग में हृद की दशायेँ चलती हैं।
C	तुम्हारी किसी में भी आन्तरिक रग नहीं जानी चाहिए।	3	अभी हम वहाँ जायेंगे वाया सूक्ष्मवतन।
D	इस समय तुम भी सबको रास्ता बताना सीखते हो,	4	अगर रग जाती है तो कहेंगे मोह की बन्दरी।
E	तुम जानते हो यह कब्रिस्तान है,	5	इसलिए तुम्हारा नाम पाण्डव रखा है।
F	यह बृहस्पति की बेहद की दशा तुम्हारी जन्म-जन्मान्तर चलती है।	6	तो फिर ऊँच पद पा न सकें।

**Q.2) जिन बच्चों को ईश्वरीय सन्तान की स्मृति रहती है उनकी सही निशानियाँ / विशेषताएं चयन करें ---**

- A. ☐ उनका सच्चा लव एक बाप से होगा।  
 B. ☐ वे पूरे कल्प में कभी आसुरी संतान नहीं बनेंगे।  
 C. ☐ उनकी कुदृष्टि कभी नहीं हो सकती, क्योंकि वे ब्रह्माकुमार-कुमारी अर्थात् बहन-भाई बनते हैं  
 D. ☐ ईश्वरीय सन्तान कभी भी लड़ेंगे, झगड़ेंगे नहीं।  
 E. ☐ वे सतयुग में देवी संतान होंगे।

**Q.3) सभी सही वाक्यों का चयन करें ---**

- A. ☐ तुम्हारा सारा कनेक्शन है ही गीता के साथ। गीता में ज्ञान भी है तो योग भी है।  
 B. ☐ सम्पूर्ण, कर्मातीत अवस्था को प्राप्त करने के लिए सदा उपराम रहने का अभ्यास करना है।  
 C. ☐ लक्ष्मी-नारायण कोई एक तो नहीं है ना। उन्हीं की तो डिनायस्टी होगी।  
 D. ☐ सतयुग में माँ-बाप बच्चे का पाँव धोकर राज-तिलक देते हैं, राज्य-भाग्य देते हैं।  
 E. ☐ दृढ़ता कड़े संस्कारों को भी मोम की तरह पिघला (खत्म कर) देती है।

**Q.4) तुम आत्मायें जहाँ रहती हो वह है तुम आत्माओं और बाबा का देश। फिर तुम स्वर्ग में जाते हो, जिसकी बाबा स्थापना कराते हैं। बाप खुद उस स्वर्ग में नहीं आते। खुद तो वाणी से परे वानप्रस्थ में जाकर रहते हैं। स्वर्ग में उनकी दरकार नहीं। वह तो दुःख-सुख से न्यारे हैं ना। तुम तो सुख में आते हो, तो दुःख में भी आते हो।**

- A. ☐ False / ये वाक्य गलत है  
 B. ☐ True / ये वाक्य सही है

**Q.5) "यहाँ है टाकी, सूक्ष्मवतन में है मूवी, मूलवतन में है साइलेन्स। सूक्ष्मवतन है फरिश्तों का। जैसे घोस्ट को छाया का शरीर होता है ना। आत्मा को शरीर नहीं मिलता है तो भटकती रहती है, उनको घोस्ट कहा जाता है। उनको इन आंखों से भी देख सकते हैं। यह फिर हैं सूक्ष्मवतनवासी फरिश्ते"**

- A. ☐ False  
 B. ☐ True

**Q.6) वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें -----**

	Choice		Match
A	हम ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ बहन-भाई हैं,	1	वैसे रावण को भी बनाकर फिर जला देते हैं।
B	पहले हम आसुरी सन्तान थे। अब संगम पर ईश्वरीय सन्तान बने हैं।	2	इसलिए एक-दो में कुदृष्टि का खयाल भी नहीं आना चाहिए।
C	देवियों को सजा कर पूजा करके डुबोते हैं, शिव का लिंग पूजा करके फिर मिट्टी में मिला देते हैं,	3	आगे चलकर यह सन्यासी आदि सब आकर आस्तिक जरूर बनेंगे।
D	जिन्होंने सबसे जास्ती भक्ति की है,	4	सतयुग में फिर देवी सन्तान होंगे।

E	इस समय यह सारी दुनिया नास्तिक है, बाप को नहीं जानते।	5	वही सबसे जास्ती जान आकर लेंगे और पहले-पहले स्वर्ग में जायेंगे।
---	--	---	--

Q.7) तुम बच्चों को अपनी अवस्था ----- बनाने के लिए सब कुछ देखते हुए जैसे कि देखते ही नहीं हैं, यह अभ्यास करना है। इसमें बुद्धि को ----- रखना हिम्मत की बात है। परफेक्ट होने में मेहनत लगती है, टाइम चाहिए। जब कर्मातीत अवस्था हो तब वह दृष्टि बैठे, तब तक कुछ न कुछ खींच होती रहेगी। इसमें बिल्कुल उपराम होना पड़ता है।

[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सुबसे सटीक उत्तर से सभी रिक्त स्थान भरें]

- A. ☐ एकरस
- B. ☐ अलौकिक
- C. ☐ निर्मल
- D. ☐ दिव्य

Q.8) बाप कहते हैं अपने ऊपर भी रहमदिल बनो। बेरहमी नहीं बनो। 'अपने ऊपर रहम करना'- इसका क्या तात्पर्य है ? इसे सही पॉइंट्स चयन करके स्पष्ट करें -----

- A. ☐ बाप को याद कर पतित से पावन बनना है।
- B. ☐ आराम करना है, मेहनत वाला पुरुषार्थ नहीं करना है
- C. ☐ ईश्वर ने हमको एडाप्ट किया है, सूक्ष्मवतनवासी फरिश्ता बनकर फिर देवता बनना है
- D. ☐ दृष्टि बड़ी अच्छी रखनी है।
- E. ☐ कभी भी पतित बनने का पुरुषार्थ नहीं करना है।

Q.9) आज के वरदान पर आधारित यह मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें ---

	Choice		Match
A	कोई भी परिस्थिति, प्रकृति द्वारा आती है,	1	कभी देह अभिमान की मिट्टी में खेल नहीं सकते।
B	मास्टर रचता वा मास्टर सर्वशक्तिवान,	2	सीट छोड़ना अर्थात् शक्तिहीन बनना।
C	अगर कोई अपनी सीट छोड़ते हैं तो हार होती है,	3	इसलिए परिस्थिति रचना है और स्व-स्थिति वाला रचयिता है।
D	जो सीट से नीचे आ जाते हैं ,	4	उन्हें माया की धूल लग जाती है।
E	सच्चे ब्राह्मण,	5	कभी हार खा नहीं सकते।

Q.10) "बाबा ने आकाश ----- छोड़कर अब दादा के तन को अपना ----- बनाया है, वह छोड़कर यहाँ आकर बैठे हैं। यह आकाश तत्व तो है जीव आत्माओं का -----। आत्माओं का ----- है वह महत्त्व, जहाँ तुम आत्मायें बिगर शरीर रहती थी और फिर ----- छोड़कर यहाँ इस शरीर को अपना ----- बनाती हो।"

[ निम्नलिखित विकल्पों में से एक सटीक उत्तर से सभी रिक्त स्थान भरें ]

- A. ☐ सिंहासन
- B. ☐ रथ
- C. ☐ तत्व
- D. ☐ आधार